नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विवि में न्यायमूर्ति चंद्रशेखर धर्माधिकारी को दी श्रद्धांजलि

वर्धा, 4 जनवरी 2019 : गांधी विचारक, चिंतक और पूर्व न्यायमूर्ति पद्मभूषण श्री चंद्र शेखर धर्माधिकारी के निधन पर उन्हें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। प्रशासनिक भवन में कार्यकारी कुलपति प्रो. मनोज कुमार की अध्यक्षता में हुई शोकसभा में धर्माधिकारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा भेजे गये शोक संदेश का

वाचन प्रो. मनोज कुमार ने किया। अपने संदेश में कुलपति ने कहा कि चंद्रशेखर धर्माधिकारी न केवल भारत के एक श्रेष्ठ न्यायविद थे अपितु महात्मा गांधी के विचारों को आगे ले जाने के लिए आजीवन प्रतिश्रुत सेनानी भी थे। उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्धा नगर का क्षेत्र उन्हें विशेष रूप से प्रिय था और बापू से जुडी संस्थाओं और कार्यक्रमों में अपने दुर्बल शारीरिक स्वास्थ्य के बावजूद उपस्थित रहते थे। उन्होंने एक कर्मयोगी की भाँति जीवन जिया। विचार, भाषा और वेश भूषा हर तरह से वे भारत की उदात्त परंपरा का प्रतिनिधित्व करते थे। मैं उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। उनके कार्य हमारे लिए सदैव प्रेरणा के स्रोत बने रहेंगे। शोक प्रस्ताव का वाचन कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने किया। न्यायमूर्ति धर्माधिकारी को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर विवि के अध्यापक, अधिकारी, कर्मी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।